

शैक्षिक सत्र-2025-26

विषय-पालि

कक्षा-12

इस विषय में 100 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे का होगा।

- (1) गद्य— महापरिनिब्बान सुत्तं (सम्पूर्ण) 30 अंक
- (2) पद्य—(क) धम्मपद (धम्मद्ववग्गो, मग्गवग्गो, पकिण्णकवग्गो, निरयवग्गो, नागवग्गो, तण्हावग्गो, भिक्खुवग्गो, ब्राह्मणवग्गो) 30 अंक
- (ख) चरियापिटक (दानपारमिता के अन्तर्गत छः से दस चर्याएं)
- (3) व्याकरण निबन्ध तथा अनुवाद 10 अंक
- (प) व्याकरण—
- (क) शब्द रूप—निम्नांकित संज्ञाओं तथा उनके अनुरूप अन्य शब्दों के रूप
- [1] पुल्लिङ्ग—मुनि, भिक्खु
- [2] स्त्रीलिङ्ग—इत्थी
- [3] नपुंसकलिङ्ग—अट्ठि, आयु
- (ख) धातु रूप—वर्तमान, भूत तथा भविष्यत् काल में निम्नलिखित धातुओं के रूप पठ, गम, रक्ख, पच, नम, बुध, सक, लिख, भुज, कथ, पूज।
- (ग) सन्धियाँ—निम्नलिखित सूत्रों पर आधारित होंगी, परन्तु सूत्रों को कंठस्थ करना आवश्यक नहीं है।
- [क] स्वर सन्धि—(1) परोक्वचि, (2) ए ओ नं
- [ख] व्यंजन सन्धि—(1) सरम्हा।
- [ग] निगगहीतं सन्धि—(1) लोपो।
- (घ) समास—निम्नलिखित समासों की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण :
- [1] बहुव्रीहि समास [2] द्वन्द्व समास।
- (ii) निबन्ध—पालि भाषा में संक्षिप्त निबन्ध सरल सात वाक्यों में भगवाबुद्धो, कुसिनारा, राजा असोको, बोधगया, चत्तारि अरियसच्चानि, यातायात—सुरक्खा। 10 अंक
- (iii) अनुवाद—हिन्दी वाक्यों का पालि में रूपान्तरण (अनुवाद का उद्देश्य छात्र/छात्राओं को पालि भाषा में वाक्य रचना एवं पालि भाषा के संगठन/पद्धति से परिचित कराना है)। 10 अंक
- (4) पालि साहित्य का इतिहास द्वितीय बौद्ध संगीति, तृतीय बौद्ध संगीति, विनय पिटक। 10 अंक
- नोट :- अनुवाद के लिये कोई पाठ्य-पुस्तक निर्धारित नहीं है।